



Pranjal sukhadev wagh

27 Jul 2001

12:10 PM

Tasgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121718902

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 27/07/2001  
दिन \_\_\_\_\_: शुक्रवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 12:10:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 15:01:02 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Tasgaon  
राज्य \_\_\_\_\_: Maharashtra  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 17:04:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 74:41:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:31:16 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 11:38:44 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:06:30 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 07:58:48 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:09:35 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 19:05:37 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:56:03 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वर्षा  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 10:26:03 कर्क  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 04:27:03 तुला

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: तुला - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: तुला - शुक्र  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: स्वाति - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: राहु  
योग \_\_\_\_\_: साध्य  
करण \_\_\_\_\_: विष्टि  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: महिष  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: शूद्र  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: वायु  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: रू-रूपा  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: सिंह

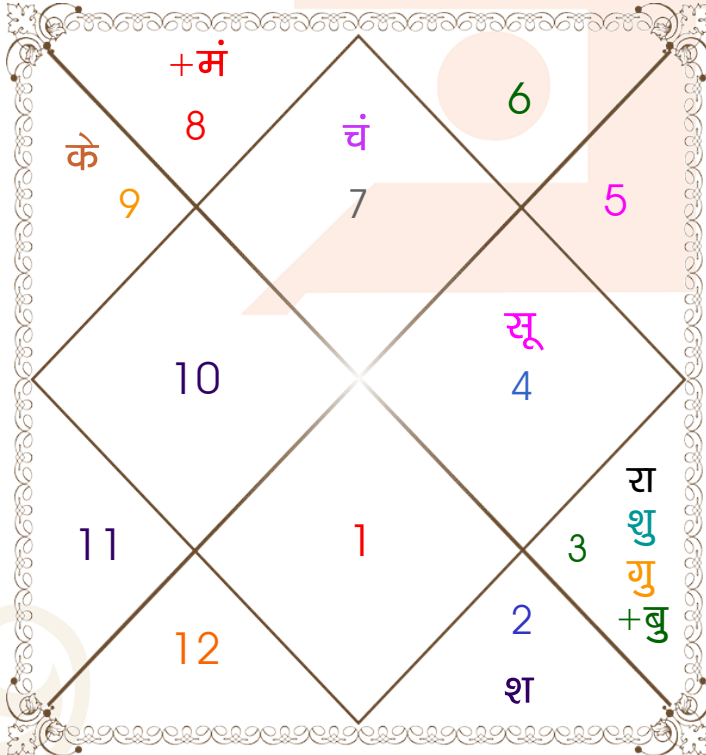
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:27:03	338:50:28	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	10:26:03	00:57:21	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			तुला	08:36:52	13:34:29	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	21:36:40	00:06:07	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	स्वराशि
बुध	अ		मिथु	29:40:01	02:00:39	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	09:13:49	00:12:43	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	00:08:45	01:08:14	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			वृष	17:54:05	00:05:43	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	12:11:04	00:00:14	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	12:11:04	00:00:14	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	29:44:12	00:02:13	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	13:35:37	00:01:38	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:51:41	00:00:50	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कर्क	03:44:46	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

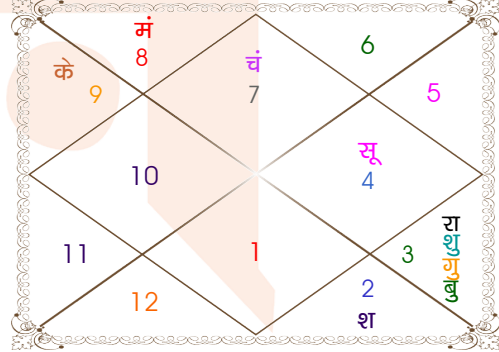
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:28

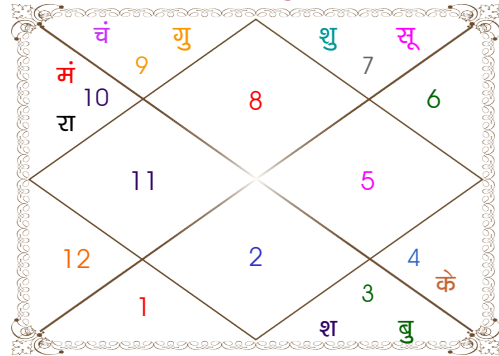
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 4 मास 13 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
27/07/2001	09/12/2016	09/12/2032	10/12/2051	09/12/2068
09/12/2016	09/12/2032	10/12/2051	09/12/2068	10/12/2075
राहु 22/08/2001	गुरु 27/01/2019	शनि 13/12/2035	बुध 08/05/2054	केतु 07/05/2069
गुरु 15/01/2004	शनि 10/08/2021	बुध 22/08/2038	केतु 05/05/2055	शुक्र 07/07/2070
शनि 21/11/2006	बुध 16/11/2023	केतु 01/10/2039	शुक्र 05/03/2058	सूर्य 12/11/2070
बुध 10/06/2009	केतु 21/10/2024	शुक्र 30/11/2042	सूर्य 09/01/2059	चंद्र 13/06/2071
केतु 28/06/2010	शुक्र 22/06/2027	सूर्य 12/11/2043	चंद्र 09/06/2060	मंगल 09/11/2071
शुक्र 28/06/2013	सूर्य 10/04/2028	चंद्र 13/06/2045	मंगल 07/06/2061	राहु 27/11/2072
सूर्य 23/05/2014	चंद्र 10/08/2029	मंगल 23/07/2046	राहु 25/12/2063	गुरु 03/11/2073
चंद्र 22/11/2015	मंगल 17/07/2030	राहु 29/05/2049	गुरु 01/04/2066	शनि 13/12/2074
मंगल 09/12/2016	राहु 09/12/2032	गुरु 10/12/2051	शनि 09/12/2068	बुध 10/12/2075

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
10/12/2075	10/12/2095	10/12/2101	11/12/2111	11/12/2118
10/12/2095	10/12/2101	11/12/2111	11/12/2118	00/00/0000
शुक्र 10/04/2079	सूर्य 28/03/2096	चंद्र 11/10/2102	मंगल 08/05/2112	राहु 28/07/2121
सूर्य 10/04/2080	चंद्र 27/09/2096	मंगल 12/05/2103	राहु 27/05/2113	00/00/0000
चंद्र 09/12/2081	मंगल 02/02/2097	राहु 10/11/2104	गुरु 02/05/2114	00/00/0000
मंगल 08/02/2083	राहु 28/12/2097	गुरु 12/03/2106	शनि 11/06/2115	00/00/0000
राहु 08/02/2086	गुरु 16/10/2098	शनि 11/10/2107	बुध 07/06/2116	00/00/0000
गुरु 09/10/2088	शनि 28/09/2099	बुध 11/03/2109	केतु 04/11/2116	00/00/0000
शनि 10/12/2091	बुध 04/08/2100	केतु 10/10/2109	शुक्र 04/01/2118	00/00/0000
बुध 10/10/2094	केतु 10/12/2100	शुक्र 11/06/2111	सूर्य 12/05/2118	00/00/0000
केतु 10/12/2095	शुक्र 10/12/2101	सूर्य 11/12/2111	चंद्र 11/12/2118	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृत्ति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांटेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बातें करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृत्ति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृत्ति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृत्ति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।